

शीर्षक – तताँरा–वामीरो कथा
कक्षा – दसवीं
विषय – हिंदी
(रेखाचित्रीय उपन्यास)



चिन्मय विद्यालय
वसंत विहार, नई दिल्ली



1057CH12

सहयोग ही सफलता की कुंजी है

प्रशिक्षण एवं सलाहकार

श्रीमान संदीप सेठी

समन्वयक

सुश्री अर्चना सोनी

(प्रधानाचार्या चिन्मय विद्यालय, वसंत विहार, नई दिल्ली)

श्रीमती एकता शर्मा (अध्यापिका)

विषय विशेषज्ञ

श्रीमती रीनी गुलाटी (हिंदी विभागाध्यक्षा)

श्रीमान दीपांशु चौधरी (हिंदी विभाग)

आवरण पृष्ठ एवं कला

श्रीमती रूपम भारद्वाज (कला विभाग)

तकनीकी सहयोग

श्रीमती सरोज बिधूड़ी (कंप्यूटर विभाग)

अनुक्रमणिका

क्रम संख्या	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	शिक्षण के लक्ष्य	6
2.	सीखने के प्रतिफल	7
3.	कथा शृंखला	8
4.	पात्र	9
5.	चरित्रगत विशेषताएँ	10
6.	कहानी	11 - 25
7.	गतिविधि 1 – मानचित्र	26
8.	गतिविधि 2 वर्ग पहेली	27
9.	गतिविधि 3 लोककथाओं का नाट्य रूपांतरण	28
10.	गतिविधि 4 एशिया की लोककथाओं से संबंधित	28
11.	गतिविधि 5 भारत के लोकगीत	29
12.	गतिविधि 6 आशुभाषण	29
13.	गतिविधि 7 वाद–विवाद प्रतियोगिता	29
14.	बहुविकल्पीय प्रश्न	30 - 31
15.	उत्तर सूचि	32
16.	शब्दावली	33
17.	प्रधानाचार्या की कलम से	34

अस्वीकरण

चिन्मय विद्यालय, वसंत विहार, नई दिल्ली - 57 द्वारा
कृत यह उपन्यास काल्पनिक है। यह उपन्यास युवा
शिक्षार्थियों को पठन हेतु प्रेरित करने, उनकी रुचि को
जागृत करने और पाठ की बेहतर समझ प्रदान करने के
लिए बनाया गया है। इसका अर्थ है कि यह उपन्यास
केवल पूरक मात्र है, इसका उद्देश्य पाठ्य पुस्तक में
निहित पाठ की जानकारी को बदलना नहीं है। इस
रेखाचित्रिय उपन्यास के पात्र काल्पनिक हैं और किसी
भी नाम, पात्र और घटना से मिलना उनका मात्र संयोग
है।

प्रस्तावना

'तताँरा-वामीरो कथा' प्रमुख साहित्यकार लीलाधर मंडलोई द्वारा रचित पाठ है। पुरानी सभ्यताओं से जुड़ी कथाओं में संदेश या सीख अवश्य ही निहित होती है - इस पाठ का उद्देश्य विद्यार्थियों तक इस तथ्य को पहुँचाना है। प्राचीन मान्यताओं एवं उनसे जुड़े किस्से कहानियों के महत्त्व को प्रतिपादित करने हेतु इस चित्रात्मक कथा में आज के युग के मित्रों की टोली का सहारा लिया गया। तताँरा - वामीरो कथा अंदमान द्वीप समूह के एक छोटे-से द्वीप पर केंद्रित है। उक्त द्वीप में व्याप्त विद्वेष की गहरी जड़ों के उन्मूलन हेतु एक युगल को आत्म बलिदान देना पड़ा। यह कथा वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भी परस्पर प्रेम के महत्त्व पर बल देती है। प्रेम सब को जोड़ता है और घृणा दूरी बढ़ाती है- इसे ही जीवन का मूल मंत्र बनाने की प्रेरणा देती है।

शिक्षण के लक्ष्य

- विद्यार्थियों द्वारा लोककथाओं की उपयोगिता समझते हुए उनके प्रदेश व अंदमान की लोककथाओं की तुलनात्मक जानकारी सहभागिता के माध्यम से प्राप्त करना।
- समाज की संकीर्ण रूढ़ियों को समय के अनुसार बदलना कितना आवश्यक है। कक्षा में इस पर चर्चा के माध्यम से आलोचनात्मक चिंतन का विकास होगा।
- आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे।
- पाठ में लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का सारांश बता सकेंगे।
- पाठ के अंत में किसी सुनी हुई लोककथा का वाचन करेंगे। पुरानी परम्पराओं पर छात्र अपनी अभिव्यक्ति कर सकेंगे।
- विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण तथा तथ्यों के साथ समर्थन कर सकेंगे।
- स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में भाग ले सकेंगे। संदर्भ से शब्दों के अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे।
- पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे।
- कठिन शब्दों का अभ्यास जैसे- किंकर्तव्यविमूढ़, विह्वल, याचक आदि।
- किसी एक लघुकथा का निर्माण करेंगे।
- उपयुक्त विराम चिह्नों और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पाएँगे। मुहावरों का वाक्य में प्रयोग करने में सक्षम होंगे। जैसे - सुध-बुध खोना, बाट जोहना, खुशी का ठिकाना न रहना।
- अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पाएँगे।

सीखने के प्रतिफल

- परिवेशगत भाषा प्रयोगों पर सवाल करते हैं। जैसे रेलवे स्टेशन/एयरपोर्ट/बस स्टैंड, ऑटोरिक्षा पर लिखी कई भाषाओं में एक ही तरह की बातों पर ध्यान देंगे।
- प्रेम सबको जोड़ता है और घृणा दूरी बढ़ाती है।
- रूढ़ियाँ जब बंधन बन बेड़ी स्वरूप हो जाए, तो उसे तोड़ना ही हितकर होता है।
- प्रेम को किसी प्रकार के बंधन व रीति रिवाज़ में नहीं बाँधा जा सकता है।

कथा शृंखला



पात्र



तताँरा



वामीरो



वामीरो की माँ



कथावाचक



दोस्तों की टोली



गाँववासी

तताँरा - पासा गाँव का
सुंदर, शक्तिशाली,
नेक एवं मददगार
युवक

वमीरो - मधुरकंठा,
रूपवती, लपाती गाँव में
रहने वाली युवती

चरित्रगत विशेषताएँ

वामीरो की माँ – रुढ़ियों
को परंपरा मानने वाली
लपाती गाँव की स्त्री

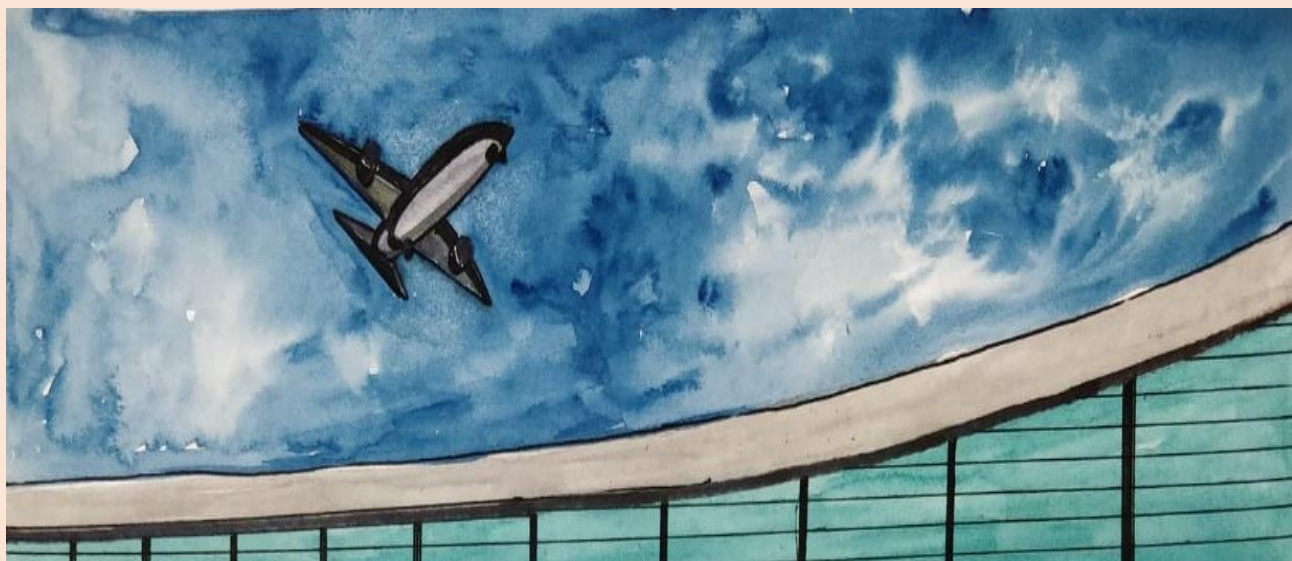
कथावाचक – अंदमान की
लोक-कथाओं की
जानकारी रखने वाला,
होटल का कर्मचारी

कहानी आरम्भ

अंदमान निकोबार के भ्रमण की उत्सुकतापूर्वक तैयारी करती मित्रों की टोली



हवाई अड्डे पर उतरने से पूर्व का दृश्य



हवाई अड्डे से बाहर निकलने के बाद दृश्य



बारिश तो बहुत तेज है –
ऐसी बूँदें तो मैंने आज तक
दिल्ली में नहीं देखीं।

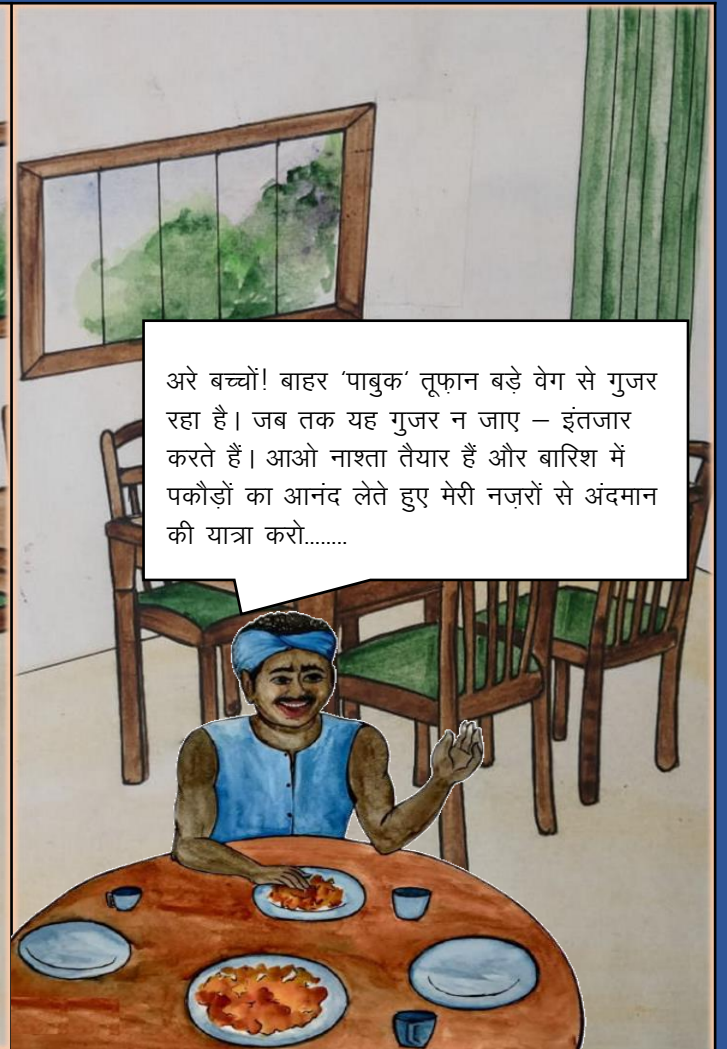


वो देखो, हमें लेने होटल से
गाड़ी आई है
जल्दी बैठो, नहीं तो भीग
जाएँगे।



भीषण गर्जन करता अथाह समुद्र –
इसके समक्ष हम कितने नगण्य जान
पड़ रहे हैं।





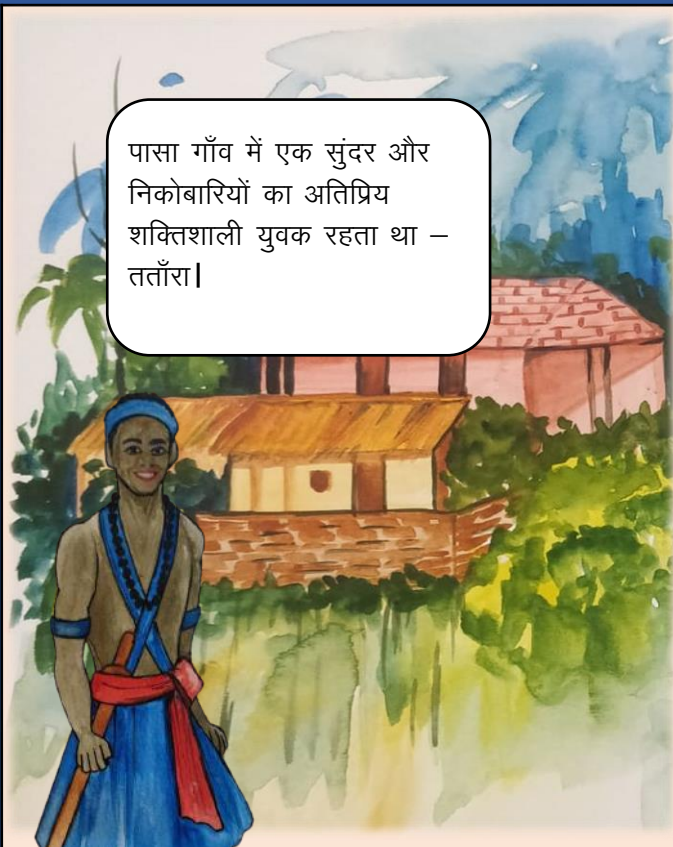


लीलाधर मंडलोई का नाम सुना है –
ये मूलतः एक कवि हैं – साथ ही
साथ उच्च कोटि के लोक-कथाकार,
लोक-गीतकार, यात्रा वृत्तांतक,
रिपोतार्जक और आलोचक भी हैं।
इनका जन्म 1954 छिंदवाड़ा जिले के
गाँव गुड़ी में हुआ परंतु जीवन काल
में बहुत प्रसिद्धि पाई। ये उच्च शिक्षा
हेतु विदेश भी गए। कई पुरस्कारों से
सम्मानित मंडलोई जी की प्रमुख
कृतियाँ हैं – घर घर घूमा, देखा
अनदेखा काला पानी।

इनकी लिखी एक लोककथा 'तताँरा-वामीरो
कथा' मैं तुम्हे सुनाता हूँ जोकि अंदमान-
निकोबार के विभक्त होने की प्रचलित लोक
कथा है।



पासा गाँव में एक सुंदर और निकोबारियों का अतिप्रिय शक्तिशाली युवक रहता था – ततौरा।

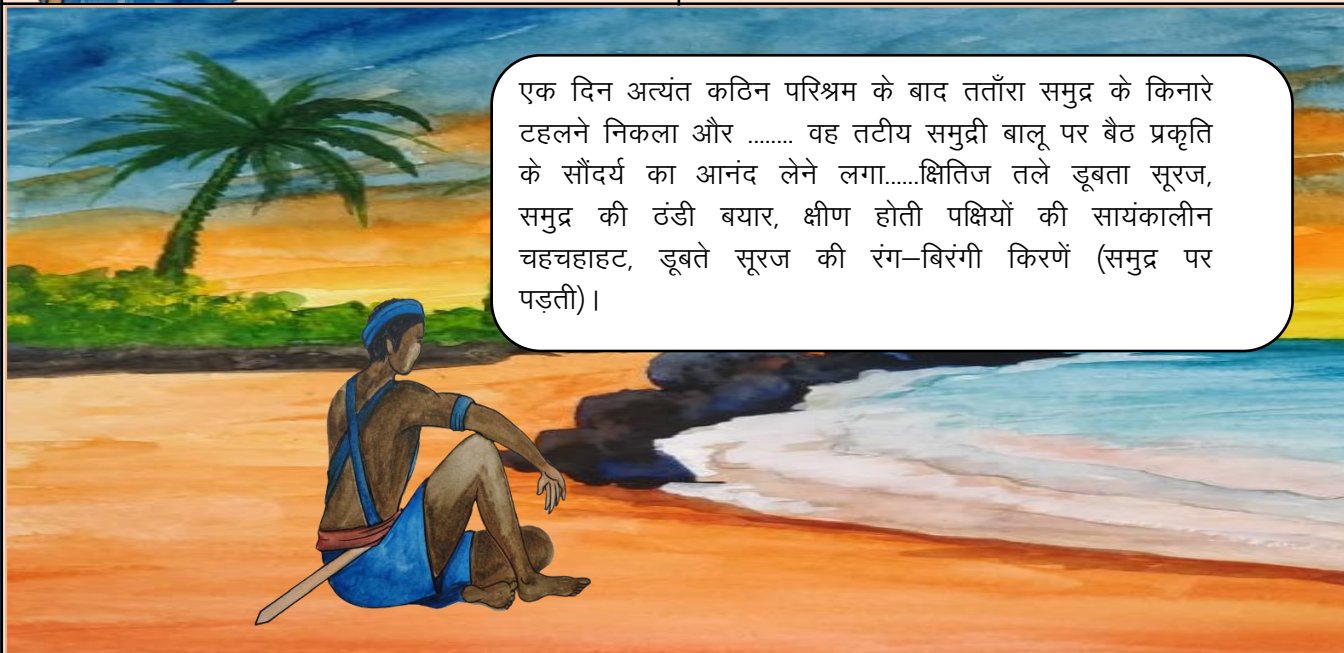


सदैव गाँववालों की मदद को तत्पर, समूचे देशवासियों की सेवा करना अपना धर्म समझता था।

पारंपरिक पोशाक – अपनी दैवीय शक्तिसंपन्न लकड़ी की तलवार को कभी भी खुद से अलग नहीं करता था।



एक दिन अत्यंत कठिन परिश्रम के बाद ततौरा समुद्र के किनारे टहलने निकला और वह तटीय समुद्री बालू पर बैठ प्रकृति के सौंदर्य का आनंद लेने लगा.....क्षितिज तले डूबता सूरज, समुद्र की ठंडी बयार, क्षीण होती पक्षियों की सायंकालीन चहचहाहट, डूबते सूरज की रंग-बिरंगी किरणें (समुद्र पर पड़ती)।



तभी उसके कानों में बहता हुआ मधुर गीत एवं लहरों का संगीत गूँजता हुआ सुनाई पड़ा।



हम सभी व्याकुल हैं, आप आगे सुनाइए।





मैं पहली बार इस प्रकार विचलित हुआ हूँ, तुम्हें देखकर मेरी चेतना लुप्त हो गई है। कल मिलने आओगी न! इसी स्थान परमैं तुम्हारा इंतज़ार करूँगा। कम-से-कम मेरा अनुरोध रखो और अपना नाम तो बताती जाओ।



रस घोलती आवाज़ ततोंरा के कानों में पड़ी।

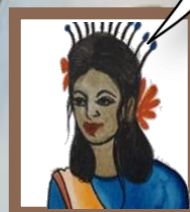
वा... मी... रो...



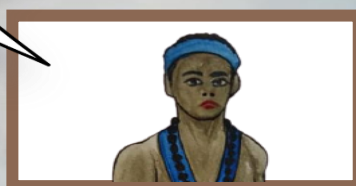
मैं उसके याचना भरे चेहरे को नहीं भुला पा रही हूँ। ततोंरा जैसे—सुंदर, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत, सभ्य और भोले जीवन साथी की ही तो मैं कल्पना करती हूँ।



..... असंभव, गाँव के नियमों का उल्लंघन मैं नहीं कर सकती।



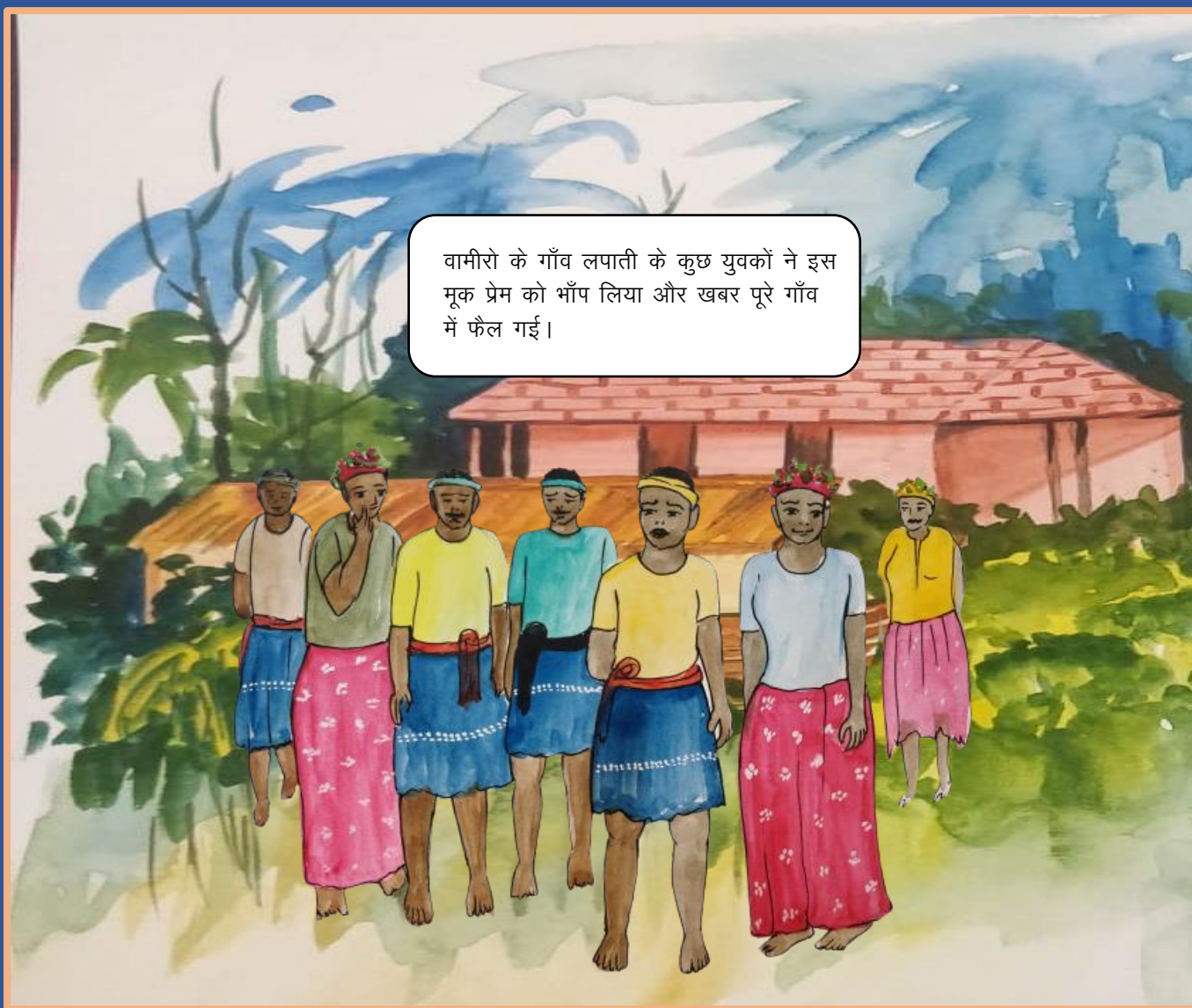
मुझे इतनी बेचैनी क्यों हो रही है, मैं वामीरो की छवि क्यों नहीं भुला पा रहा हूँ। वो कल आएगी न, ज़रूर.....ज़रूर.....ज़रूर।



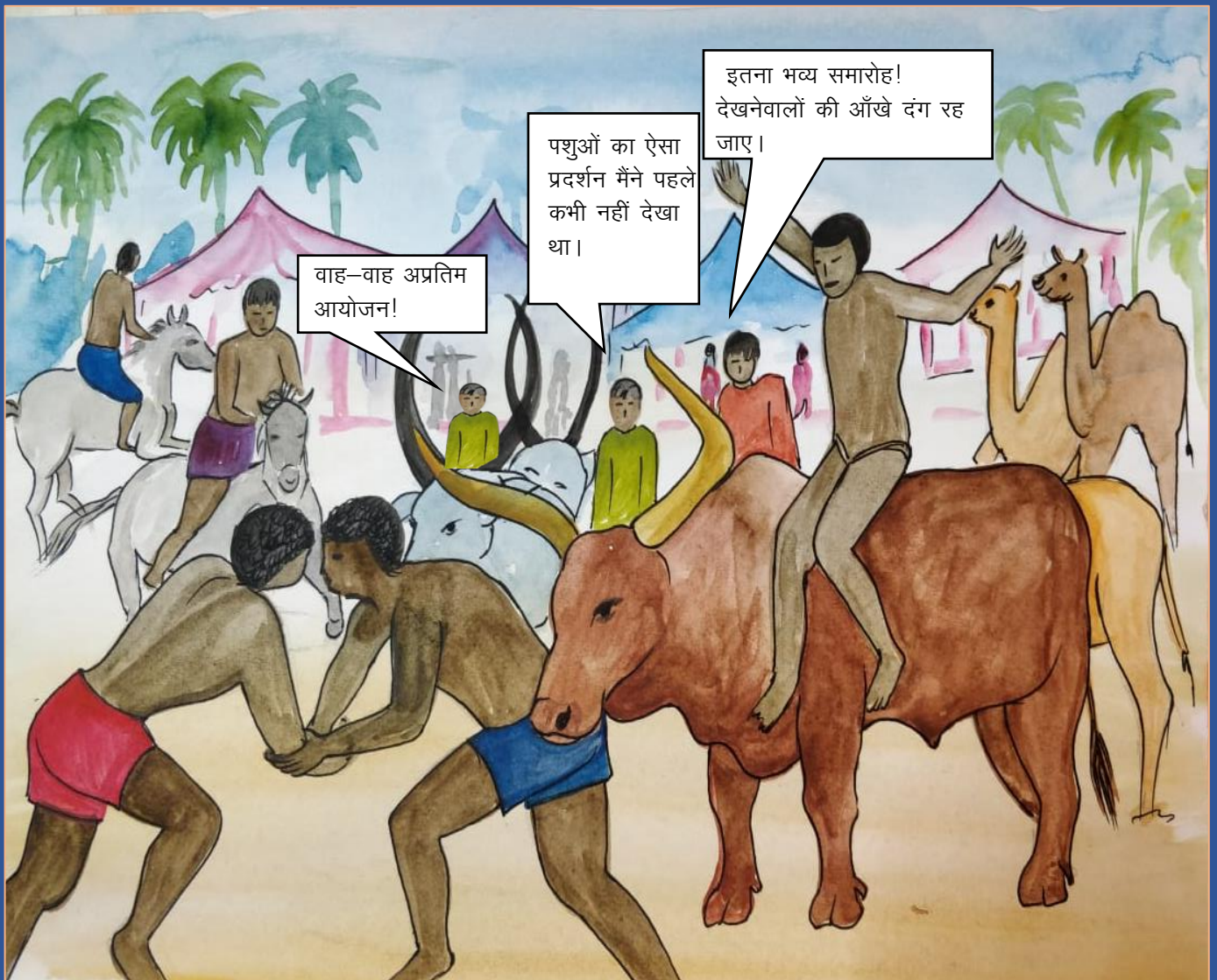
गाँव के सभी नियमों को भुलाकर वे रोज़ मिलते रहे.....निर्निमेष ताकते रहते..... भीतर-ही-भीतर समर्पण अनवरत गहरा रहा था।



वामीरो के गाँव लपाती के कुछ युवकों ने इस मूक प्रेम को भाँप लिया और खबर पूरे गाँव में फैल गई।



पासा गाँव में पशु पर्व







वामीरो फटती हुई धरती के किनारे चीखती हुई दौड़ रही थी.....तताँरा.....तताँरा.....। पर द्वीप दो खंडों में बँट चुका था, एक तरफ तताँरा और दूसरी तरफ वामीरो।



तताँरा की भी आवाज़ गूँज रही थी... ..वामीरो....वामीरो!



तताँरा कटे हुए द्वीप के अंतिम भूखंड पर कुछ समय ही दीख पड़ा।



परंतु आशा की एक किरण अब भी वामीरो के हृदय में विद्यमान थी और वह रोज़ उसे ढूँढ़ने उसी स्थान पर आती तथा आँसू बहाती।

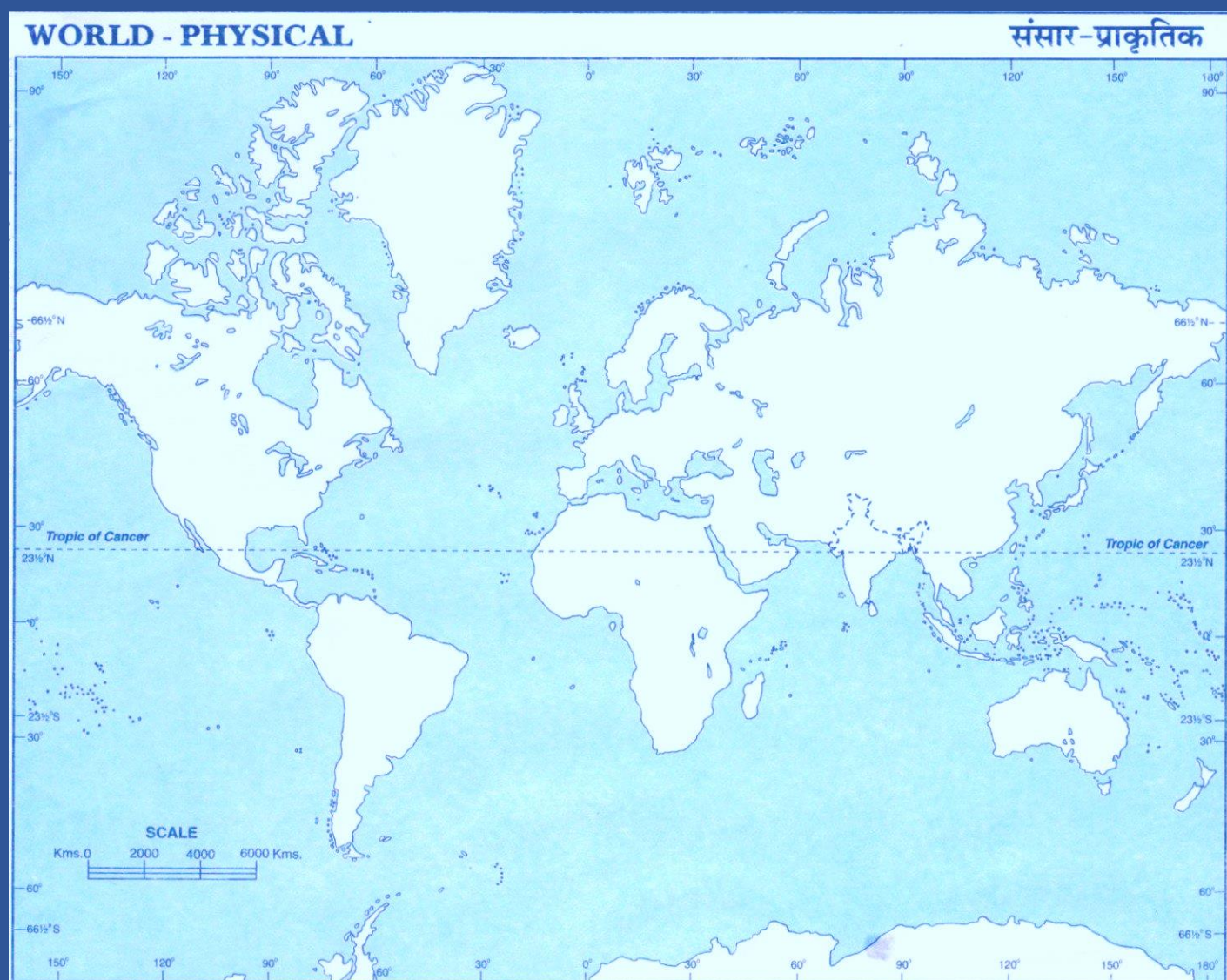




गतिविधि 1 – मानचित्र

दिए गए मानचित्र में निम्नलिखित द्वीपों (पर्यटक स्थल) को दर्शाइए।

- | | | |
|--------------|--------------|------------|
| 1. मॉलद्वीप | 2. बोरा-बोरा | 3. सेशेल्स |
| 4. पलावन | 5. सेंटोरिनी | 6. बाली |
| 7. लक्षद्वीप | 8. फिजी | |



गतिविधि 2

वर्ग पहेली

1. दी गई वर्ग पहेली में से भारत देश के विभिन्न द्वीपों के नाम छाँटकर लिखिए।

को	ला	बा	द	ज
बं	प	च	म	स
गा	प	मु	न	रो
रा	कै	ट	ल	को
म	व	ह	ब	था
अं	बु	द	ना	ड

उत्तर सूची

1. कोलाबा

2. बंगाराम

3. कैटल

4. दमन

5. नलबना

6. कोथाड

7. मुनरो

8. अंब

गतिविधि 3

लोककथाओं का नाट्य रूपांतरण

- सूरज की ओर
- नरियल का जन्म
- चोरी हुआ टापू
- जब पेड़ चलते थे

उपर्युक्त अंदमान की लोककथाओं का नाट्य रूपांतरण एवं प्रस्तुतीकरण।

प्रस्तुतीकरण हेतु निर्देश:—

1. कक्षा को चार भागों में विभाजित कर प्रत्येक समूह को एक—एक नाटक दिया जाएगा।
2. नाटक को संवाद रूप में परिवर्तित किया जाएगा।
3. प्रत्येक समूह द्वारा दिए गए नाटक का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा।
4. छात्रगण परिवेशानुसार पृष्ठभूमि एवं वेश—भूषा का ध्यान में रखते हुए नाटक को जीवंत रूप देंगे।

गतिविधि 4

एशिया की लोककथाओं से संबंधित

एशिया की प्रसिद्ध प्रेम लोककथाएँ जैसे सोहनी—महिवाल, शीरीं—फ़रहाद आदि को पढ़िए एवं स्पष्ट कीजिए कि किस प्रकार ये तताँरा—वामीरो लोककथा से भिन्न हैं।

गतिविधि 5

भारत के लोकगीत

भारत देश में अनेक राज्य हैं। प्रत्येक राज्य के अपने लोकगीत हैं। भारत में लोकसंगीत बेहद प्राचीन है जिन्हें कोई एक व्यक्ति नहीं बल्कि पूरा समाज अपनाता है। सामान्यतः लोक में प्रचलित, लोक द्वारा रचित एवं लोक के लिए लिखे गए गीतों को लोकगीत कहा जा सकता है। यहाँ लोकसंगीत राज्यों एवं जातियों के हिसाब से अलग-अलग है।

- कक्षा में विद्यार्थी किसी भी क्षेत्र विशेष का लोकगीत प्रस्तुत करेंगे।
- लोकगीत किस क्षेत्र का है तथा किस अवसर पर गाया जाता है, आदि की संपूर्ण जानकारी छात्रगण देंगे।

गतिविधि 6

आशुभाषण

आशुभाषण विषय

- भारत का स्वतंत्रता संग्राम और पशु पर्व
- पशु पर्व हमारी सांस्कृतिक धरोहर
- पशु पर्व और मनोरंजन
- पशु पर्व भारतीय राज्यों की पहचान

गतिविधि 7

वाद—विवाद प्रतियोगिता

- 'प्रेम — धर्म, जात, ऊँच—नीच, सीमाओं से परे है।'
- पारंपरिक मान्यताएँ हितकर व अहितकर

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. ततार्रा वामीरो कथा आधारित है-

- (i) लोक कथा पर
- (ii) मुहावरों पर
- (iii) लोक गीतों पर
- (iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं

2. ततार्रा और वामीरो के गाँव में विवाह से संबंधित क्या प्रथा थी ?

- (i) वर-वधू एक गाँव से संबंधित हो।
- (ii) वर-वधू अनजान हों।
- (iii) वर-वधू का अलग-अलग देश से होना।
- (iv) वर-वधू रिश्तेदार हों।

3. ततार्रा का जीवन कैसा था ?

- (i) अत्यंत रोचक
- (ii) बेहद शांत और गंभीर
- (iii) बहुत ही उबाऊ
- (iv) अति रोचक

4. युवती का स्वर कैसा था ?

- (i) मधुर और सुरीला
- (ii) कर्कश
- (iii) सामान्य
- (iv) उपरोक्त सभी

5. ततार्रा किसको निहार रहा था ?

- (i) सूरज को
- (ii) सागर को
- (iii) पेड़ों को
- (iv) युवती को

6. ततार्रा का व्यक्तित्व कैसा था ?

- (i) शक्तिशाली एवं आकर्षक
- (ii) मिलनसार
- (iii) मददगार
- (iv) उपर्युक्त सभी

7. ततार्रा को दूसरे गाँव के लोग अपने यहाँ पर्व-उत्सवों में क्यों आमंत्रित करते थे ?

- (i) उसके आत्मीय स्वभाव के कारण
- (ii) उसके सुंदर होने के कारण
- (iii) उसके घमंडी होने के कारण
- (iv) उसके शक्तिशाली होने के कारण

8. ततार्रा पारंपरिक पोशाक के साथ कमर में क्या बाँधे रहता था ?

- (i) साधारण तलवार
- (ii) लकड़ी की तलवार
- (iii) लोहे की तलवार
- (iv) ताँबे की तलवार

9. ततार्रा और वामीरो की कथा सुनाई जाती है -

- (i) कार निकोबार में
- (ii) अंडमान में
- (iii) अंडमान निकोबार के हर घर में
- (iv) लिटिल अंडमान में

10. पासा गाँव में कौन-सा पर्व आयोजित किया गया था ?

- (i) पशु पर्व
- (ii) दशहरा पर्व
- (iii) दिवाली पर्व
- (iv) होली पर्व

11. निकोबार द्वीप समूह का पहला प्रमुख द्वीप कौन-सा है ?

- (i) कार-निकोबार
- (ii) अंडमान-निकोबार
- (iii) लिटिल अंडमान
- (iv) लक्ष द्वीप

12. ततार्रा की तलवार बेहद खास क्यों थी ?

- (i) तलवार सोने की थी।
- (ii) तलवार की धार बहुत तेज़ थी।
- (iii) तलवार में अद्वितीय दैवीय शक्ति थी।
- (iv) तलवार बहुत ही साधारण थी।

13. ततार्रा के सुध-बुध खोने का क्या कारण था ?

- (i) तूफ़ान
- (ii) बहुत तेज़ धूप
- (iii) खराब मौसम
- (iv) मधुर गीत की धुन

14. गीत गाने के लिए वामीरो को कौन कहता है ?

- (i) उसकी माता
- (ii) आस-पास के लोग
- (iii) पैसा गाँव के युवक
- (iv) ततार्रा

15. वामीरो किस गाँव की रहने वाली थी ?

- (i) पासा
- (ii) पसा
- (iii) लपाती
- (iv) लापती

16. पाठ के अनुसार किनके हृदय व्यथित हो रहे थे ?

- (i) वामीरो-माता के
- (ii) लोगों के
- (iii) ततारा-संतारा के
- (iv) ततारा-वामीरो के

17. वामीरो अपना गाना क्यों भूल गई?

- (i) समुद्र की लहरों को देखकर
- (ii) ततारा को देखकर
- (iii) माँ को देखकर
- (iv) गाँव वालों को देखकर

18. नारियल के झुरमुटों में ततारा को किसकी आकृति अपनी ओर आती दिखाई दी ?

- (i) पासा गाँव के लोगों की
- (ii) किसी जानवर की
- (iii) वामीरो की माँ की
- (iv) वामीरो की

19. लिटिल अंडमान कार निकोबार के बीच कितनी दूरी है ?

- (i) ९५ किलोमीटर
- (ii) ९६ किलोमीटर
- (iii) १३ किलोमीटर
- (iv) ६ किलोमीटर

20. ततारा को जब पहली बार वामीरो ने देखा तो उसकी कैसी हालत हुई ?

- (i) वामीरो उसे देखकर हँसने लगी।
- (ii) वामीरो उसे देखकर रोने लगी।
- (iii) वामीरो उसे देखते ही वहाँ से भाग गई।
- (iv) वामीरो उसे देखकर पागल हो गई।

21. ततारा निकोबार में सबका पसंदीदा क्यों बन गया था ?

- (i) अच्छा नृत्यकार होने के कारण
- (ii) अच्छा गायक होने के कारण
- (iii) तलवार साथ रखने के कारण
- (iv) सदैव दूसरों को सहायता करने के कारण

22. ततारा-वामीरो के गाँव में विवाह को लेकर कौन-सी प्रथा का पालन किया जा रहा था ?

- (i) विवाह के लिए वर-वधू का एक ही गाँव का होना।
- (ii) लड़के-लड़की का एक ही धर्म का होना।
- (iii) दोनों का अलग-अलग गाँव का होना।
- (iv) लड़के-लड़की का एक ही जाति का होना।

23. ततारा-वामीरो की मृत्यु त्यागमयी मृत्यु क्यों थी ?

- (i) क्योंकि उनका प्रेम पुराना था।
- (ii) क्योंकि उनका प्रेम अनूठा था।
- (iii) क्योंकि उनका प्रेम सच्चा और गहरा था।
- (iv) उनकी मृत्यु के बाद ही सामाजिक रूढ़ियों का अंत हुआ।

24. किसके मधुर गीत स्वर सुनकर ततारा की तंद्रा भंग हुई ?

- (i) पक्षियों की चहचहाहट सुनकर
- (ii) लहरों का स्वर सुनकर
- (iii) तेज हवाओं का शोर सुनकर
- (iv) वामीरो का गीत सुनकर

25. वामीरो हड़बड़ाहट में गाना क्यों भूल गई ?

- (i) लोगों को देखकर
- (ii) ततारा को देखकर
- (iii) ऊँची लहर द्वारा उसे भिगोने के कारण
- (iv) वर्षा के कारण

26. 'किंकर्तव्यविमूढ़' शब्द का अर्थ है -

- (i) क्या करने की स्थिति
- (ii) क्या करें, क्या न करे की स्थिति
- (iii) मौन रहने की स्थिति
- (iv) सारे कार्य करने स्थिति

27. ततारा की तलवार से धरती कितने टुकड़ों में बँट गई ?

- (i) एक
- (ii) दो
- (iii) तीन
- (iv) एक भी नहीं

28. निकोबार में घटी घटना का सुखद परिवर्तन क्या हुआ ?

- (i) दोनों गाँव वाले एक साथ रहने लगे।
- (ii) विवाह के लिए अब दोनों का एक ही गाँव का होना ज़रूरी नहीं था।
- (iii) लोग ततारा वामीरो की पूजा लगे।
- (iv) ततारा को महान योद्धा मानने लगे।

29. ततारा के प्रेम को किसने भाँप लिया था?

- (i) वामीरो की माता ने
- (ii) वामीरो की सखियों ने
- (iii) ततारा के मित्रों ने
- (iv) लपाती के कुछ युवकों ने

30. घर पहुँचकर वामीरो भीतर-ही-भीतर क्या महसूस करने लगी ?

- (i) बेचैनी
- (ii) प्रसन्नता
- (iii) घबराहट
- (iv) दुःख

1. 'ततार्रा वामीरो कथा' आधारित है-

(i) लोक कथा पर

2. ततार्रा और वामीरो के गाँव में विवाह से संबंधित क्या प्रथा थी ?

(i) वर-वधू एक गाँव से संबंधित हो।

3. ततार्रा का जीवन कैसा था ?

(ii) बेहद शांत और गंभीर

4. युवती का स्वर कैसा था ?

(i) मधुर और सुरीला

5. ततार्रा किसको निहार रहा था ?

(iv) युवती को

6. ततार्रा का व्यक्तित्व कैसा था ?

(iv) उपर्युक्त सभी

7. ततार्रा को दूसरे गाँव के लोग अपने यहाँ पर्व-उत्सवों पर क्यों आमंत्रित करते थे ?

(i) उसके आत्मीय स्वभाव के कारण

8. ततार्रा पारंपरिक पोशाक के साथ कमर में क्या बाँधे रहता था ?

(ii) लकड़ी की तलवार

9. ततार्रा और वामीरो की कथा सुनाई जाती है-

(iii) अंडमान निकोबार के हर घर में

10. पासा गाँव में कौन-सा पर्व आयोजित किया गया था ?

(i) पशु पर्व

11. निकोबार द्वीप समूह का पहला प्रमुख द्वीप कौन-सा है ?

(i) कार-निकोबार

12. ततार्रा की तलवार बेहद खास क्यों थी ?

(iii) तलवार में अद्वितीय दैवीय शक्ति थी।

13. ततार्रा के सुध-बुध खोने का क्या कारण था ?

(iv) मधुर गीत की धुन

14. गीत गाने के लिए वामीरो को कौन कहता है ?

(iv) ततार्रा

15. वामीरो किस गाँव की रहने वाली थी ?

(iii) लपाती

16. पाठ के अनुसार किनके हृदय व्यथित हो रहे थे ?

(iv) ततार्रा-वामीरो के

17. वामीरो अपना गाना क्यों भूल गई ?

(ii) ततार्रा को देखकर

18. नारियल के झुरमुटों में ततार्रा को किसकी आकृति अपनी ओर आती दिखाई दी ?

(iv) वामीरो की

19. लिटिल अंडमान कार निकोबार के बीच कितनी दूरी है ?

(ii) ९६ किलोमीटर

20. ततार्रा को जब पहली बार वामीरो ने देखा तो उसकी कैसी हालत हुई ?

(iii) वामीरो उसे देखते ही वहाँ से भाग गई।

21. ततार्रा निकोबार में सबका पसंदीदा क्यों बन गया था ?

(iv) सदैव दूसरों को सहायता करने के कारण

22. ततार्रा-वामीरो के गाँव में विवाह को लेकर कौन-सी प्रथा का पालन किया जा रहा था ?

(iii) दोनों का अलग-अलग गाँव का होना।

23. ततार्रा-वामीरो की मृत्यु त्यागमयी मृत्यु क्यों थी ?

(iv) उनकी मृत्यु के बाद ही सामाजिक रूढ़ियों का अंत हुआ।

24. किसके मधुर गीत स्वर सुनकर ततार्रा की तंद्रा भंग हुई ?

(iv) वामीरो का गीत सुनकर

25. वामीरो हड़बड़ाहट में गाना क्यों भूल गई ?

(ii) ततार्रा को देखकर

26. 'किंकर्तव्यविमूढ़' शब्द का अर्थ है -

(ii) क्या करें, क्या न करे की स्थिति

27. ततार्रा की तलवार से धरती कितने टुकड़ों में बँट गई ?

(ii) दो

28. निकोबार में घटी घटना का सुखद परिवर्तन क्या हुआ ?

(ii) विवाह के लिए अब दोनों का एक ही गाँव का होना ज़रूरी नहीं था।

29. ततार्रा के प्रेम को किसने भाँप लिया था?

(iv) लपाती के कुछ युवकों ने

30. घर पहुँचकर वामीरो भीतर-ही-भीतर क्या महसूस करने लगी ?

(i) बेचैनी

शब्दावली

1. प्रसार – फैलाव
2. किस्से – कहानियाँ
3. गर्व – अभिमान
4. आदिम — प्रारंभिक
5. विभक्त — बँटा हुआ
6. लोककथा — जन—समाज में प्रचलित कथा
7. आत्मीय — अपना
8. साहसिक कारनामा — साहसपूर्ण कार्य
9. विलक्षण — असाधारण
10. बयार — शीतल—मंद वायु
11. तंद्रा — एकाग्रता
12. चैतन्य — चेतना / सजग
13. विकल — बेचैन / व्याकुल
14. संचार — उत्पन्न होना (भावना का)
15. असंगत — अनुचित
16. सम्मोहित — मुग्ध
17. झुँझलाना — चिढ़ना
18. अन्यमनस्कता — जिसका चित्त कहीं और हो
19. निर्निमेष — जिसमें पलक न झपकी जाए / बिना पलक झपकाए
20. अचंभित — चकित
21. रोमांचित — पुलकित
22. निश्चल — स्थिर
23. अफ़वाह — उड़ती खबर
24. उफनना — उबलना



प्रधानाचार्या की कलम से

विद्यार्थियों में भाषा कौशल व साहित्यिक विकास के क्षेत्र में चित्रात्मक आलेख का अहम और महत्त्वपूर्ण स्थान है। कथाएँ/कहानियाँ शिक्षा का अति शक्तिशाली माध्यम हैं, परंतु चित्रों के माध्यम से विद्यार्थियों तक पहुँचाए जाने पर यह अत्यधिक प्रभावशाली, सरल, सुबोध एवं रोचक रूप ले लेती हैं।

एक रेखाचित्रीय प्रारूप में पठन सामग्री प्रस्तुत करने के विचार, पहल एवं विद्यालयों के इस क्षेत्र में कार्यरत होने के प्रोत्साहन के लिए मैं सी.बी. एस.ई. की आभारी हूँ।

मैं श्रीमती अनीता कारवाल (आई.ए.एस.) शिक्षा सचिव भारत सरकार, का धन्यवाद करती हूँ – जिनकी प्रेरणा सदैव हमें ऊर्जित करती है।

‘ध्रुव-तारे’ सदृश्य श्रीमान संदीप सेठी (शिक्षा निदेशक) की मैं प्रशंसा करती हूँ।

इस रेखाचित्रीय उपन्यास को मूर्त रूप देने वाले अध्यापक/अध्यापिकाओं के अथक परिश्रम की मैं भरसक सराहना करती हूँ।

रेखाचित्रीय उपन्यास – यह अवधारणा शिक्षा के क्षेत्र में आने वाली क्रांति का आगाज़ है!

सुश्री अर्चना सोनी

प्रधानाचार्या

चिन्मय विद्यालय

वसंत विहार, नई दिल्ली